28 सितम्बर 2020

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

smc

Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

- कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग द्वारा जारी प्रमुख खरीफ फसलों के पहले अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार 2020-21(खरीफ केवल) में देश में कुल 144.52 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है जो पिछले पांच वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन (2014-15 से 2018-19) की तुलना में 9.83 मिलियन टन अधिक है।
- सितंबर में एनसीडीईएक्स का औसत दैनिक कारोबार मई 2020 में 587 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,245 करोड़ रू तक हो गया है। इसी तरह, एमसीएक्स का औसत दैनिक कारोबार मई के 15,658 करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त में 43,261 करोड़ रुपये और सितंबर में 33,052 करोड़ रू हो गया है।
- राज्यसभा में कृषि क्षेत्र का विधेयक पारित हो गया है और केंद्र ने आगामी रबी सीजन की प्रमुख फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा कम से कम एक महीने पहले कर दी है।
- केंद्र सरकार ने सरसों के तेल में अन्य खाद्य तेल के मिलावट पर रोक लगाने का आदेश दिया है। अब केवल शुद्ध सरसों का तेल ही बाजार में उपलब्ध होगा। नया विनियमन 1 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी होगा।
- एमसीएक्स ने सोमवार, 19 अक्टूबर, 2020 से एमसीएक्स आईकॉमडेक्सबेस मेटल इंडेक्स का वायदा कॉन्ट्रैक्ट शुरू करने की घोषणा की।
- इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार, वैश्विक स्तर पर तांबा बाजार ने 2020 की पहली छमाही के दौरान 235,000 टन की कमी दर्ज की।
- कोरोना संक्रमण में वृद्धि होती है और कोई अतिरिक्त राजकोषीय सहायता नहीं मिलती है, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था पतझड़ और सर्दियों के दौरान अधिक बंदी और व्यापार दिवालिया होने की समस्या का सामना कर सकती है जिससे ऐसी स्थितियां उपभोक्ताओं और व्यवसायों को क्रेडिट प्राप्त करना मुश्किल बना सकती हैं-बोस्टन फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष एरिक रोसेनग्रेन ।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.09.20	24.09.20	बदलाव (%)
बाजरा	1,282.00	1,387.00	8.19%
मूंग	6,522.00	6,862.00	5.21%
चना	5,105.00	5,266.00	3.15%
जौ	1,367.50	1,371.00	0.26%
एग्रीडेस्क	1,142.50	1,144.25	0.15%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.09.20	24.09.20	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	150.50	165.90	10.23%
कॉटन	17880.00	18060.00	1.01%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.09.20	24.09.20	बदलाव (%)
सोया तेल	946.30	894.00	-5.53%
ग्वारगम	6,278.00	5,995.00	-4.51%
सीपीओ	806.70	770.50	-4.49%
हल्दी	5,932.00	5,700.00	-3.91%
धान बासमती	2,709.00	2,608.00	-3.73%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.09.20	24.09.20	बदलाव (%)
चांदी माइक्रो	67848.00	59587.00	-12.18%
इलायची	1700.00	1500.00	-11.76%
सीपीओ	808.50	750.60	-7.16%
सोना पेटल	5238.00	5021.00	-4.14%
निकल	1090.80	1053.30	-3.44%

साप्ताहिक समीक्षा

पिछला सप्ताह एक ऐसा सप्ताह था जब कमोडिटीज के रूझान में अहम बदलाव हुआ। डॉलर इंडेक्स में आश्चर्यजनक उछाल के कारण सर्राफा, बेस मेटल और कुछ कृषि कमोडिटीज की कीमतों में कुछ तेज गिरावट हुई । प्रमुख आकर्षण चांदी रही जिसकी कीमतों में 15% से अधिक और सोने की कीमतों में 5% से अधिक गिरावट हुई। अमेरिकी सरकार और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों द्वारा अधिक स्टीमुलस उपायों की आवश्यकता के बारे में व्यक्त चिंताओं के साथ-साथ यूरोप में एक सामान्य मंदी के कारण सोने की कीमतें दो महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। अमेरिकी आवास बाजार के बेहतर आंकड़ों और अन्य बाजारों में जोखिम को लेकर चिंता से डॉलर को मजबूती मिली। वैश्विक घटनाओं ने भी डॉलर का मजबूती प्रदान की। अमेरिका-चीन के बीच नए सिरे से तनावों ने भी डॉलर की ताकत को बढ़ा दिया है, जो चीन के खिलाफ ट्रम्प प्रशासन के मौखिक युद्ध के मुकाबले मजबूत हो रहा है। एनर्जी काउंटर में, कच्चे तेल की कीमतों में अंतत: कुछ हद तक गिरावट हुई है जबकि नेचुरल गैस की कीमतों में तेज गिरावट के बाद कुछ अच्छी खरीददारी हुई। दुनिया का सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश में कोरोनोवायरस प्रकोप के बढ़ने आर्थिक सुधार की गति धीमी रहने और यूरोप में भी कोरोनोवायरस के मामलों में बढ़ोतरी के कारण वहां नए यात्रा प्रतिबंध लगने से मांग में कमी आने की आशंका से तेल की कीमतों में गिरावट हुई । सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले सप्ताह अमेरिकी कच्चे तेल और ईंधन भंडार में गिरावट के कारण हफ्ते के पहले भाग में कुछ खरीदारी हुई। गैसोलीन का भंडार उम्मीद से अधिक 4 मिलियन बैरल से अधिक कम हुआ है, और डिस्टिलेट, जिसमें डीजल और जेट ईंधन शामिल हैं, का भंडार आश्चर्यजनक ढंग से 3.4 मिलियन बैरल कम हुआ है। पिछले सत्र में सात सप्ताह के निचले स्तर से तेजी दर्ज करते हुए, बुधवार की दोपहर को नेचुरल गैस वायदा की कीमतों में 15% से अधिक की वृद्धि हुई क्योंकि नेचुरल गैस की मांग में बढ़ोतरी की संभावना है। ट्रॉपिकल तूफान बीटा के आने और जाने के बाद, मैक्सिको की खाड़ी के डॉक में-कम से कम कुछ क्षेत्रों में- जहाजों को मुक्त छोड़ दिया गया, जिससे बाजार में और तेजी का रूझान रहा। एलएनजी की कुछ सुविधाएं अभी भी बंद पड़ी हुई हैं क्योंकि बीटा तूफान के कमजोर पड़ने के बाद टेक्सास की ओर बढ़ गया है। कमजोर आंकड़ों के बेस मेटल में ज्यादातर नरमी के साथ कारोबार हुआ। नवीनतम यूरोपीय पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) ने क्षेत्र की रिकवरी की संभावनाओं के बारे में चिंताओं को बढ़ा दिया, जबकि सेवा सूचकांक भी 50-अंक से कम हो गया है।

कृषि कमोडिटीज में, तिलहन और खाद्य तेल वायदा ने बिकवाली के दबाव को महसूस किया और रिफाइंड सोया और सीपीओ की कीमतों में सबसे अधिक गिरावट हुई। उत्पादक देशों में पॉम ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की संभावना और अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण बुधवार को पॉम तेल वायदा की कीमतों में 3% से अधिक की गिरावट हुई। कमजोर निर्यात मांग के कारण ग्वारगम की कीमतों में गिरावट हुई। लगातार बारिश के कारण मध्य प्रदेश में मूंग और उड़द की खड़ी फसलों को नुकसान की रिपोर्ट के अलावा, सरकार द्वारा एमएसपी में ताजा बढ़ोतरी से दलहन की कीमतों में तेजी आई है। मध्यम गुणवत्ता वाली हल्दी की आवक के कारण कीमतों में कमी के कारण हल्दी वायदा कमजोर हुआ।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	17.09.20	24.09.20	(%)
जौ	जयपुर	1361.80	1366.85	0.37
धनिया	कोटा	5079.30	5202.75	2.43
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	6647.60	6563.10	-1.27
गुड़	मुजफ्फरपुर	794.80	770.50	-3.06
ग्वारसीड	जोधपुर	1248.50	1318.20	5.58
ग्वारगम	जोधपुर	4035.00	3965.65	-1.72
जीरा	ऊंझा	6325.00	6165.65	-2.52
सरसों	जयपुर	13794.80	13636.90	-1.14
काली मिर्च मलाबार गार्बल्ड	कोच्ची	5450.00	5567.50	2.16
कच्चा जूट	कोलकाता	34500.00	34763.70	0.76
सोयाबीन	इंदौर	3947.00	3964.00	0.43
हल्दी	निजामाबाद	5610.00	5505.00	-1.87
गेहूं	दिल्ली	1805.85	1790.00	-0.88
कॉटन	कड़ी	17377.65	17401.60	0.14
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	1978.35	1959.25	-0.97

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	18.09.20	24.09.20	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	1745.00	1697.00	-2.75
तांबा	LME	नकद	6833.50	6538.50	-4.32
लेड	LME	नकद	1889.00	1856.00	-1.75
निकल	LME	नकद	14908.00	14179.00	-4.89
जिंक	LME	नकद	2512.00	2379.50	-5.27
सोना	COMEX	दिसम्बर	1962.10	1876.90	-4.34
चांदी	COMEX	दिसम्बर	27.12	23.19	-14.49
लाइट क्रूड	NYMEX	अक्टूबर	43.15	41.94	-2.80
नेचुरल गैस	NYMEX	अक्टूबर	2.05	2.25	9.77

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	18.09.20	24.09.20	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	नवम्बर	10.43	10.00	-4.12
सोया तेल	CBOT	दिसम्बर	35.14	32.41	-7.77
सीपीओ	BMD	दिसम्बर	3080.00	2757.00	-10.49
कॉटन	ICE	दिसम्बर	65.66	65.46	-0.30

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	17.09.20 क्वांटिटी	23.09.20 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	6395	6395	0
कैस्टर सीड	मी.टन	15935	16210	275
चना	मी.टन	38284	38384	100
धनिया	मी.टन	2853	2992	139
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	7281	5435	-1846
ग्वारगम	मी.टन	5872	5763	-109
ग्वारसीड	मी.टन	8352	10187	1835
जीरा	मी.टन	1078	1256	178
मक्का खरीफ	मी.टन	247	59	-188
आर एम सीड	मी.टन	17015	16328	-687
सोयाबीन	मी.टन	5208	3774	-1434
हल्दी	मी.टन	641	701	60

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	16.09.20 क्वांटिटी	23.09.20 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	448.13	374.98	-73.15
तांबा	मी.टन	846.73	946.05	99.32
सोना	किग्रा	448.00	445.00	-3.00
सोना मिनी	किग्रा	136.50	85.10	-51.40
सोना गिनी	किग्रा	1.61	5.61	4.00
लेड	किग्रा	216.82	216.82	0.00
मेंथा ऑयल	किग्रा	179290.25	177127.60	-2162.65
निकल	किग्रा	835.61	815.76	-19.85
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	347512.25	360614.05	13101.80
जिंक	मी.टन	119.58	462.42	342.84

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 17.09.20	स्टॉक की स्थिति 24.09.20	अंतर
एल्युमीनियम	1510400	1482225	-28175
तांबा	78900	76325	-2575
निकल	237276	236646	-630
लेड	136675	135400	-1275
जिंक	219625	221300	1675

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	सोयाबीन	अक्टूबर	3918.00	06.08.20	तेजी	3772.00	3820.00	-	3800.00
NCDEX	जीरा	अक्टूबर	13600.00	15.10.19	मंदी	16460.00	-	14150.00	14200.00
NCDEX	रिफाइंड सोया तेल	अक्टूबर	894.00	02.06.20	तेजी	797.00	872.00	-	870.00
NCDEX	आरएमसीड	अक्टूबर	5417.00	19.05.20	तेजी	4232.00	5315.00	-	5300.00
NCDEX	चना	अक्टूबर	5266.00	06.08.20	तेजी	4200.00	5120.00	-	5100.00
NCDEX	ग्वारसीड	अक्टूबर	3930.00	27.01.20	तेजी	3450.00	3820.00	-	3800.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	दिसम्बर	1804.00	01.09.20	मंदी	1870.00	-	1925.00	1930.00
MCX	सीपीओ	अक्टूबर	742.40	02.06.20	तेजी	647.20	733.00	-	730.00
MCX	मेंथा ऑयल	अक्टूबर	927.70	14.07.20	मंदी	988.00	-	955.00	960.00
MCX	**बुलडेक्स**	**अक्टूबर**	**15240.00**	**22.09.20**	**मंदी**	**15700.00**	**-**	**15650.00**	**15700.00**
MCX	**चांदी**	**दिसम्बर**	**59629.00**	**22.09.20**	**मंदी**	**62000.00**	**-**	**62300.00**	**62500.00**
MCX	**सोना**	**अक्टूबर**	**49904.00**	**22.09.20**	**मंदी**	**50500.00**	**-**	**51300.00**	**51500.00**
MCX	तांबा	अक्टूबर	517.65	08.09.20	साइडवेज	519.00	510.00	525.00	-
MCX	**लेड**	**अक्टूबर**	**146.95**	**21.09.20**	**मंदी**	**152.00**	**-**	**152.00**	**153.00**
MCX	**जिंक**	**अक्टूबर**	**189.70**	**21.09.20**	**मंदी**	**195.00**	**-**	**197.00**	**198.00**
MCX	**निकल**	**अक्टूबर**	**1059.50**	**21.09.20**	**साइडवेज**	**1057.00**	**1040.00**	**1085.00**	**-**
MCX	**एल्युमिनियम**	**अक्टूबर**	**142.60**	**21.09.20**	**मंदी**	**145.50**	**-**	**147.50**	**148.00**
MCX	कच्चा तेल	अक्टूबर	2973.00	01.09.20	मंदी	3177.00	-	3075.00	3100.00
MCX	**नेचुरल गैस**	**अक्टूबर**	**213.20**	**23.09.20**	**तेजी**	**186.00**	**185.00**	**-**	**183.00**

*24.09.2020 का बंद भाव

नाट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

लेड (अक्टूबर) एमसीएक्स

लेड (अक्टूबर) एमसीएक्स

एमसीएक्स में लेड (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट 24 सितम्बर 2020 को 146.95 रू पर बंद हुआ। 01 सितम्बर 2020 को कॉन्ट्रैक्ट 157.20 रू के उच्च स्तर पर था। 24 सितम्बर 2020 को 145.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्य 30.57 है। 152.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 136.00 रू के टारगेट के लिए 148.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

नेचुरल गैस (अक्टूबर) एमसीएक्स

नेचुरल गैस (अक्टूबर) एमसीएक्स

एमसीएक्स में नेचुरल गैस (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट 24 सितम्बर 2020 को 213.20 रू पर बंद हुआ। 07 सितम्बर 2020 को कॉन्ट्रैक्ट 221.00 रू के उच्च स्तर पर था और 31 जुलाई 2020 को 181.50 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 61.65 है। 185.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 245.00 रू के टारगेट के लिए 205.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

चना (अक्टूबर) एनसीडीईएक्स

चना (अक्टूबर) एनसीडीईएक्स

एनसीडीईएक्स में चना (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट 24 सितम्बर 2020 को 5266.00 रू पर बंद हुआ। 25 सितम्बर 2020 को कॉन्ट्रैक्ट 5388.00 रू के उच्च स्तर पर था। 14 सितम्बर 2020 को 6560.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 74.74 है। 5120.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 5650.00 रू के टारगेट के लिए 5250.00 रू के स्तर पर खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

तिलहन एवं खाद्य तेल

सोयाबीन वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में 4080 के पास रेजिस्टेंस के साथ 3750-3700 रू तक गिरावट जारी रहने की संभावना है। घरेलू बाजार में नयी फसल की आवक तेजी आने की संभावना है जिससे सप्लाई अधिक हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी, सोयाबीन की फसल तेजी से बढ़ रही है और कीमतों पर दबाव बढ़ा रही है। आने वाले दिनों में होने वाली बारिश से अमेरिकी सोयाबीन की फसल के प्रभावित होने की संभावना नही है, क्योंकि अधिकांश मिडवेस्ट में सूखा रहने की संभावना है। दूसरे, यूरोप में आर्थिक मंदी के संकेत और संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरोनावायरस संक्रमण की एक दूसरी लहर को लेकर नए सिरे से चिंता के कारण अधिकांश मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की बढ़त जारी है। सरसों के तेल में अन्य खाद्य तेलों की मिलावट पर रोक लगाने के केंद्र सरकार के आदेश के बाद सरसों वायदा (अक्टूबर) की कीमतों के 5300-5500 के दायरे में मजबूती के साथ कारोबार रहने की उम्मीद है। नया विनियमन 1 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी होगा। विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद, सरकार ने एफएसएसएआई को सरसों के तेल में मिलावट पर रोक लगाने और सार्वजनिक हित में घरेलू खपत के लिए शुद्ध सरसों तेल के निर्माण और बिक्री की सुविधा के लिए निर्णय लिया है। पिछले सप्ताह राष्ट्रीय एक्सचेंज पर सोया तेल वायदा की कीमतें अपने अब तक के उच्चतम् स्तर 955 को पार करने में असफल रही है और 954.50 के उच्च स्तर से यू-टर्न लेते हुए 892 के स्तर पर लुढ़क गई। अब कीमतों में 870-860 तक गिरावट होने की संभावना है। इस बीच, सीपीओ वायदा (अक्टूबर) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 725-770 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। बाजारों में मांग में कमी और मजबूत डॉलर के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों में मौजूदा मंदी के रूझान जैसे कारकों के कारण, कीमतों की बढ़त पर रोक लगे रहने की उम्मीद है।

मसाले

हल्दी वायदा (अक्टूबर) की कीमतें 5830 के पास रेजिस्टेंस का सामना कर रही है और 5600-5500 के स्तर तक गिरावट होने की संभावना है। प्रमुख मंडियों में सुस्त मांग के बीच हल्दी की हाजिर कीमतें घट रही हैं। मध्यम गुणवत्ता वाली हल्दी की आवक के कारण खरीदारों ने कीमतों में कमी की। कारोबारी अपने स्थानीय ऑर्डर को पूरा करने के लिए खरीददारी कर रहे हैं और थोक बिक्री के ऑर्डर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इरोड हल्दी मर्चेंट एसोसिएशन बिक्री यार्ड में, फिंगर वेराइटी की कीमतें 5,229-6,225 रू प्रति क्विंटल और रूट वेराइटी की कीमतें 4,811-5,629 रू प्रति क्विंटल के दायरे में रही। रेगुलेटेड मार्केटिंग कमेटी में, फिंगर वेराइटी की कीमतें 4,910-5,839 रू प्रति क्विंटल और रूट वेराइटी की कीमतें 4,590-5,799 रू प्रति क्विंटल के दायरे में रही। जीरा वायदा (अक्टूबर) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 13200-13100 के स्तर पर पहुंच सकती है। बाजारों में पर्याप्त आपूर्ति के मुकाबले थोक खरीदारों की मांग धीमी होने के कारण हाजिर बाजारों कीमतों में नरमी का रूझान है। रफ जीरा और बेस्ट क्वालिटी जीरे की कीमत क्रमश: 2115-2215 रू और 2465-2515 रू प्रति 20 किलोग्राम रही। एनसीडीईएक्स की गुणवत्ता वाली जीरे की कीमतें 2315-2365 रू प्रति 20 किलोग्राम और बॉम्बे बोल्ड की कीमतें 2615-2665 रू प्रति 20 किलोग्राम रही। यूरोप और सिंगापुर की गुणवत्ता वाली जीरे की कीमत क्रमश: 2380-2480 रुपये और 2280-2425 रुपये प्रति 20 किलोग्राम रही। धनिया वायदा(अक्टूबर) की कीमतें 6400-6700 के दायरे में स्थिर कारोबार कर सकती है। राजस्थान की मंडियों में कम आवक के कारण धनिया की हाजिर कीमतें बढ़ गई है जबकि राजकोट और गोंडल मंडियों में कीमतें स्थिर रही। लेकिन कृषि कमोडिटीज की खरीद में मंडी शुल्क में कमी की मांग को लेकर 24 सितंबर से शुरू होने वाली व्यापारियों की हड़ताल के कारण मध्य प्रदेश की मंडियां बंद थीं। रामगंज में ईगल और बादामी किस्मों की कीमत क्रमश: 5800-6000 रुपये और 5600-5700 रुपये प्रति क्विंटल थी।

अन्य कमोडिटीज

कमोडिटीज बाजार में तेज गिरावट के बावजूद एमसीएक्स में कॉटन वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में तेजी का रूझान बना हुआ है। इसका कारण यह है कि मांग काफी मजबूत हैं। ऐसी खबर है कि कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया एक महत्वपूर्ण करार पर नजर गड़ाए हुए है, जिसके तहत बांग्लादेश को लगभग 10 से 15 लाख बेल कपास का सीधे निर्यात होगा। इससे सरकार सीधे दूसरे देशों को भीं कपास का निर्यात कर सकेगी। यह देखते हुए, यदि कीमतें 18100 से ऊपर कारोबार करती हैं और बनी रहती हैं तो 18300-18400 रू तक बढ़ोतरी हो सकती है। चना वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में भी तेजी का रूझान है और इसकी बेहतर मांग के कारण 5400-5500 तक तेजी बनी रह सकती है। लॉकडाउन तक गरीबों को केंद्र से भोजन की मदद के कारण चना की मांग बढ़ गई है, जिससे इसकी कीमतें लगातार बढ़ रही है। यदि होटल के साथ-साथ रेस्तरां खोलने से और अक्टूबर-नवंबर में त्योहारी सीजन के दौरान घरेलू खपत बढ़ती है, तो व्यापारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ेंगी। खबरों में, केंद्र ने आवश्यक वस्तुओं की सूची से विभिन्न कृषि वस्तुओं, जिसमें दाल भी शामिल हैं, को हटाने के लिए एक विधेयक पारित किया है। इसके अलावा, प्रोसेसर और मूल्य श्रृंखला के कारोबारियों को स्टॉक सीमा से मुक्त किया गया है। सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से निश्चित रूप से दालों की मांग बढ़ेगी और कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। ग्वारसीड वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में 3850 रू तक गिरावट होने की उम्मीद है, जबकि ग्वारगम वायदा (अक्टूबर) में भी नरमी रहने की संभावना है और कीमतें 5800 के स्तर पर पहुंच सकती है। ग्वारगम पाउडर निर्माताओं की ओर से कम मांग के कारण सेंटीमेंट में गिरावट आई है। कच्चे तेल ग्रेड ग्वारगम पाउडर के लिए मांग कम है। ग्वारगम पाउडर निर्माता खाद्य ग्रेड ग्वारगम पाउडर का उत्पादन कर रहे हैं।

सर्राफा

सर्राफा की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। यूरोप और अमेरिका में कोरोनोवायरस के बढ़ते मामलों के बारे में चिंताओं के कारण डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों में गिरावट हो सकती है। लेकिन नए सिरे से अधिक अमेरिकी स्टीमुलस उपायों के कारण गिरावट सीमित रह सकती है। फेड अधिकारियों ने अपनी कम ब्याज दर नीति को तबतक जारी रखने की पुष्टि की है जब तक कि श्रम बाजार ठीक नहीं होता या मुद्रास्फीति 2% तक बढ़ नही जाती है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल और ट्रेजरी सचिव स्टीवन मेनुचिन ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का 380 बिलियन डॉलर के आखिरी बड़े कोरोनावायरस सहायता पैकेज का उपयोग नहीं किया गया है। यदि नीति निर्माताओं ने मंजूरी दी होती तो घरों और व्यवसायों को मदद मिल सकती है । वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने महामारी से होने वाली आर्थिक क्षति का मुकाबला करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन और ब्याज दरों को शून्य तक कम किया दिया है, जिससे इस साल सोने की कीमतों में 20% से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है। बेरोजगारी लाभों के लिए नए दावे दाखिल करने वाले अमेरिकियों की संख्या में पिछले सप्ताह अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई, जिससे पता चलता है कि आर्थिक सुधारों की गति पटरी से उतर गई है। अगस्त में हांगकांग के जरिए चीन के मासिक शुद्ध सोने के आयात में कमी आई। चीन के शंघाई गोल्ड एक्सचेंज ने कहा कि निवेशकों को आकस्मिक योजनाओं के जोखिम को लेकर तैयार करना चाहिए, जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए, और लंबी राष्ट्रीय छुट्टियों से पहले सोने एवं चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर तर्कसंगत रूप से निवेश करना चाहिए। यह देखते हुए कि कोरोनोवायरस की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और ब्याज दरें कम हैं, लंबी अवधि में सोने की कीमतों में अभी भी तेजी है। इस हफ्ते सोने की कीमतें 47700-51500 के दायरे में और चांदी की कीमतें 55000-62000 के दायरे में कारोबार कर सकती है जबकि कोमेक्स में सोने की कीमतें 1820-1980 डॉलर के दायरे में और चांदी की कीमतें 21.80-24.40 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रहने की संभावना है क्योंकि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण, नए सिरे से लॉकडाउन से आर्थिक सुधार को धीमा होने की आशंका और अमेरिकी स्टीमुलस वार्ता के बाधित होने से ईंधन की मांग में बढ़ोतरी पर रोक लग सकती है। दोनों बेंचमार्क कच्चे तेल की कीमतें मासिक गिरावट की ओर अग्रसर हैं, जो ब्रेंट कच्चे तेल के मामले छह महीने में पहली गिरावट होगी। बाजार में लीबियाई सप्लाई में बढ़ोतरी से भी नरमी का सेंटीमेंट बढ़ रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, जहां कोविड-19 संकट से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं और दुनिया का सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, बेरोजगारी का दावा करने वालों की संख्या में पिछले हफ्ते अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है जिससे पता चलता है कि आर्थिक सुधारों की गति पटरी से उतर गई है। दुनिया के अन्य हिस्सों में, कोरोनावायरस संक्रमण की दैनिक वृद्धि हो रही है और नए प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं जो यात्रा और ईंधन की मांग को सीमित करेंगे। भारत में, अगस्त में कच्चे तेल रिफाइनरों द्वारा उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 26.4% कम हो गया है, जो चार महीनों में सबसे अधिक है, क्योंकि कोरोनोवायरस के मामलों में वृद्धि से औद्योगिक और परिवहन गतिविधियों के बाधित होने से ईंधन की मांग कम हो गई। इस सप्ताह यदि कीमतें 3040 से नीचे रहती है तो और यह 2800 के करीब फिसल सकती हैं। यदि यह 3040 से ऊपर रहती है तो अगला लक्ष्य 3200 हो सकता है। नेचुरल गैस की कीमतें बढ़ रही हैं क्योंकि निवेशक लिक्वीफॉइड नेचुरल गैस की बढ़ती मांग पर लगातार दांव लगा रहे हैं। कीमतों में बढ़ोतरी से पता चलता है कि गैस भंडारण में कमी आ रही है। अगले 2 सप्ताह के लिए मध्य-पश्चिम के अधिकांश भाग में सामान्य की तुलना में अधिक ठंडे मौसम का अनुमान है। ईआईए के अनुसार 18 सितंबर को समाप्त सप्ताह में गैस भंडारण में सिर्फ 66 बिलियन क्यूबिक फीट (बीसीएफ)की बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह नेचुरल गैस की कीमतें 190-230 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार करने की संभावना हैं क्योंकि कोरोनोवायरस के बढ़ते संक्रमण से लॉकडाउन की आशंका बढ़ने से आर्थिक सुधार में देरी की आशंका, मजबूत डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी श्रम बाजार की धीमी रिकवरी के कारण कीमतों पर दबाव रह सकता है। फिर भी संयुक्त राज्य में अधिक स्टीमुलस की उम्मीद से गिरावट सीमित रह सकती है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट सदस्य 2.2 ट्रिलियन डॉलर कोरोनावायरस प्रोत्साहन पैकेज पर काम कर रहे हैं, जिन्हें इस सप्ताह मतदान के लिए लाया जा सकता है। तांबे के प्लांटों की उपग्रह निगरानी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर, मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका में गतिविधियों में उछाल के कारण, तांबा स्मेल्टिंग की गतिविधियों में अगस्त में रिकवरी हुई। आईसीएसजी के अनुसार, वर्ष के पहली छमाही में वैश्विक स्तर पर रिफाइंड तांबे के उत्पादन में 1% की वृद्धि हुई है। तांबें की कीमतें 515-540 रू के दायरे में कारोबार कर सकती है। जिंक की कीमतें 185-200 रू के दायरे में कारोबार कर सकती है जबकि लेड की कीमतें 138-155 रू के दायरे में कारोबार कर सकती है। आईजेडएलएसजी के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक जिंक बाजार में वर्ष के पहले सात महीनों में 265 हजार टन जिंक सरप्लस रहा है जबकि पिछले साल समान अवधि में 141 हजार टन की कमी थी। लेड के मामले में, विश्व बाजार में 2020 के पहले सात महीनों में 128 हजार टन का सरप्लस रहा है, जबकि पिछले साल समान अवधि में 31 हजार टन की कमी थी। निकल की कीमतें 1040 के स्तर पर सपोर्ट के साथ 1150 रू के स्तर पर पहुंच सकती हैं । चीन के स्टेनलेस स्टील उत्पादकों ने जुलाई के मध्य से बढ़ रही निकल की कीमतों के कारण अपने इनपुट लागत को कम करने के प्रयास में पिछले दो महीनों में स्टेनलेस स्टील स्क्रैप की खपत बढ़ा दी है। एल्युमीनियम की कीमतें 137-148 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। कस्टम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में चीन ने लगातार दूसरे महीने अधिक एल्युमीनियम का आयात किया है जो 11 साल के उच्च स्तर 429464 टन पर पहुंच गया।

2020-21 में प्रमुख खरीफ फसलों का अग्रिम अनुमान

देश भर में कोरोनोवायरस के कारण लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधियों के बाधित होने के बीच कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत सहारा बन गया है, जबकि 2020-21 (खरीफ केवल) के लिए पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश में कुल 144.52 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है जो पिछले पांच वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन (2014-15 से 2018-19) की तुलना में 9.83 मिलियन टन अधिक है। इस साल 11 सितंबर तक खरीफ की बुवाई 1,113 लाख हेक्टेयर हुई है जो सामान्य से 46 लाख हेक्टेयर अधिक है। भारत के किसानों ने कोविड-19 महामारी और तालाबंदी को एक चुनौती के रूप में लिया और इसके खिलाफ अपना साहस दिखाया और खरीफ सीजन में अधिक क्षेत्र में बुवाई की जबकि दूसरी तरफ सरकार ने कृषि के बुनियादी ढांचे और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाए ।

कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग द्वारा 2020-21 के लिए प्रमुख खरीफ फसलों के उत्पादन का पहला अग्रिम अनुमान 22 सितम्बर 2020 को जारी किया गया है। कृषि वर्ष 2020-21 में अधिकांश फसलों का उत्पादन सामान्य से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है। 2020-21 के दौरान कुल खरीफ खाद्य उत्पादन पिछले पांच वर्षों के औसत खाद्यान्न उत्पादन (2014-15 से 2018-19) की तुलना में 9.83 मिलियन टन अधिक है, क्योंकि इस वर्ष के दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में 16 सितंबर, 2020 तक कुल वर्षा लंबी अवधि के औसत (एलपीए) की तुलना में 7% अधिक हुई है। सरकार ने 2020-21 के फसल वर्ष के लिए रिकॉर्ड 301 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो अच्छे मानसून की बारिश और खरीफ सीजन में अधिक उत्पादन क्षेत्र पिछले साल के उत्पादन से लगभग 1.5 फीसदी अधिक है।

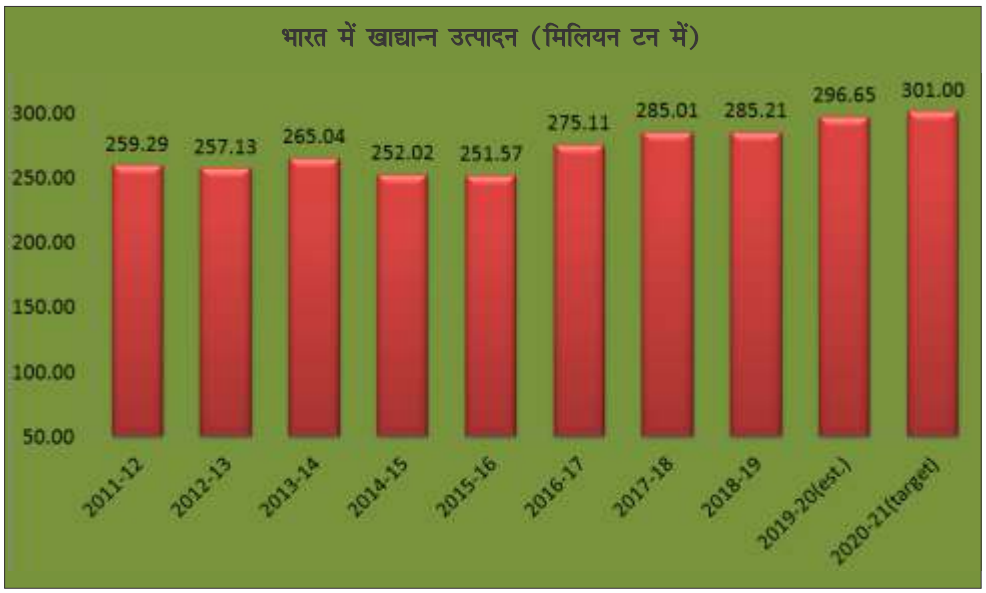

स्रोत : कृषि मंत्रालय भारत सरकार

2020-21 के दौरान खरीफ चावल का कुल उत्पादन 102.36 मिलियन टन होने का अनुमान है। यह पिछले पांच वर्षों के औसत उत्पादन 95.66 मिलियन टन की तुलना में 6.70 मिलियन टन अधिक है।

पोषक/मोटे अनाजों का उत्पादन 32.84 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो 31.39 मिलियन टन के औसत उत्पादन की तुलना में 1.45 मिलियन टन अधिक है।

2020-21 के दौरान खरीफ दालों का कुल उत्पादन 9.31 मिलियन टन होने का अनुमान है। यह 2019-20 (चौथे अग्रिम अनुमान) में 7.72 मिलियन टन दालों के उत्पादन की तुलना में 1.59 मिलियन टन अधिक है।

देश में 2020-21 के दौरान खरीफ तिलहन उत्पादन कुल 25.73 मिलियन टन होने का अनुमान है जो 2019-20 के दौरान उत्पादन की तुलना में 3.41 मिलियन टन अधिक है। इसके अलावा, 2020-21 के दौरान तिलहन का उत्पादन औसत तिलहन उत्पादन की तुलना में 5.90 मिलियन टन अधिक है।

देश में 2020-21 के दौरान गन्ने का कुल उत्पादन 399.83 मिलियन टन होने का अनुमान है। 2020-21 के दौरान गन्ने का उत्पादन औसतन 360.43 मिलियन टन गन्ने के उत्पादन की तुलना में 39.40 मिलियन टन अधिक है।

कपास का उत्पादन 37.12 मिलियन बेल (प्रत्येक 170 किलो) होने का अनुमान है, जो 2019-20 के दौरान 35.49 मिलियन बेल के उत्पादन की तुलना में 1.63 मिलियन बेल अधिक है। जूट और मेस्टा का उत्पादन 9.66 मिलियन बेल (प्रत्येक 180 किलोग्राम) होने का अनुमान है।

एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।